%%A. D. 1190‒1436

%%Ś. 1112‒1358

%%( From 1184—19-9-1264 A. D.)

%%p. 186

No. 121

Lakshmī-Narasiṃha Temple at Śiṃhāchalam<1>

( S. I. I. Vol. VI. No. 728; A. R. No. 256 of 1899;

I. M. P. Vol. III, P. 1676, No. 84 )

Ś 1192<2>

(१।) स्वस्ति श्री [।।] शाकाब्दे वाहु-रत्न-क्षिति-श-

(२।) शिगणिते कुंभ कृष्ण त्रि(तृ)तीया-

(३।) सयुक्ते शुक्रवारे नरहरिव-

(४।) पुषः श्रीपतेर्द्दीपहेतोः । भा-

(५।) रद्वाजान्ववायः स्वयमनिश-

(६।) मदानमाधवाख्यांगजातस्सू-

(७।) राख्यो डिमिलवासी रुचिरतरग-

(८।) वां विशति पच्चयुक्तं ।। [१] स-

(९।) पुनर्द्दीपदंडाय भडारे

(१०।) नृहरेददौ । गंडनिष्क त्रय चा-

(११।) पि याव[त्] चंद्रदिवाकर(रौ) ।। [२] स्वस्ति श्री [।।]

(१२।) शकवरुषंवुलु ११९२ गुने-

(१३।) ंटि कुभ कृष्ण त्रि(तृ)तीय्ययु

(१४।) उ[त्त]रा फाल्गुण नक्षत्र मुन कवि-

<1. On the sixth pillar in the verandah round the central shrine of this temple.>

<2. The corresponding date is the 30th January, 1271 A. D. Friday.>

%%p. 187

(१५।) वारमुनांडु श्रीनरसिह्यना-

(१६।) थुनिकि अखडदीपमु दीपद-

(१७।) डुतो त्नकु आयुःकाम्या-

(१८।) त्थं सिद्धिगा डिमिल आज्ञवलकि भा-

(१९।) रद्वाजगात्रमुन पहिड्डिमा-

(२०।) धवनायकुनि कोड्कु सूरंपेग्गड

(२१।) वेम गोटनुंडि गजमजगो-

(२२।) ल्लसूरु कोनारि कोड़कु सिगनको-

(२३।) नारिवशमुनं वेट्टिन मादालु

(२४।) इरुवे येनुनुं गोनि नित्यपडि

(२५।) नरसिह्यमान मानंडु नेइ

(२६।) पोयंगलांडु । ई धर्म्मवु श्री-

(२७।) वैष्णव रक्ष [।] आचंद्रार्क्क स्थाइ गानू(नु)

(२८।) श्री श्री श्री